Northern Coalfields Limited
(Govt. of India Mini Ratna Company)
Post- Singrauli Colliery
Distt- Singrauli MP PIN-486889

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक मिनि रत्न प्रतिष्ठान)
पोस्ट सिंगरौली कोलियरी,
जिला- सिंगरौलीम. प्र., पिन 486889

CIN- U10102MP1985GOI003160
Phone: 07805- 266808 (Off) , 266640 (Fax)email: pro@ncl.gov.inwebsite : www.ncl.gov.in
An ISO: 9001, ISO: 14001 & OHSAS: 18001 Certified Company

पत्र क0 एनसीएल/ज0स0वि0/प्रेसवि0/2016–17/259 दिनांक– 06/09/2016

प्रेस विज्ञप्ति

'छठे कोल समिट एंड एक्सपो 2016' में एनसीएल ने लगाया स्टॉल
भारत सरकार के खान मंत्रालय के सचिव श्री बलविंदर सिंह ने किया उद्घाटन

भारत सरकार की मिनी रत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने दिल्ली में चल रहे 'छठे कोल समिट एंड एक्सपो 2016' में अपना स्टॉल लगाया है। नई दिल्ली के 'प्रगति मैदान' में चल रही प्रदर्शनी में लगाए गए एनसीएल के स्टॉल का उद्घाटन सचिव, खान मंत्रालय, भारत सरकार श्री बलविंदर सिंह ने सोमवार को किया। 7 सितंबर 2016 तक चलने वाली इस प्रदर्शनी और सम्मेलन में कोल खनन, उत्पादन और उत्पादन से जुड़े अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठन भाग ले रहे हैं। हर दो वर्ष के अंतराल पर होने वाले इस कार्यक्रम का इस वर्ष का विषय है : 'इंडियन कोल : ससटेनिंग द मोमेन्टम'।

प्रदर्शनी में लगाए गए एनसीएल के स्टॉल पर एनसीएल में उच्च तकनीक का प्रयोग कर कोयला उत्पादन को दर्शाने वाली अनेक तस्वीरें लगाई गई हैं। साथ ही, भविष्य में प्रयोग की जाने वाली विश्व स्तरीय उच्च तकनीक पर आधारित कोयला उत्पादन की झलक दिखाने की भी कोशिश की गई है। इसके अतिरिक्त एनसीएल द्वारा पर्यावरण प्रबंधन एवं सामुदायिक विकास के लिए किए जा रहे कार्यों को भी दर्शाया गया है। स्टॉल पर आने वाले दर्शकों को एनसीएल और एनसीएल की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी देने के लिए एनसीएल के अधिकारियों की टीम उपस्थित है।

गौरतलब है कि कोयला भारत की 55 प्रतिशत व्यावसायिक ऊर्जा और 70 प्रतिशत बिजली उत्पादन जरूरतों को पूरा करता है। भारत जैसे तेजी से बढ़ते विकासशील देश की आर्थिक वृद्धि और मानव संसाधन विकास की ऊर्जा जरूरतें लगातार तेज गति से बढ़ रही हैं। सरकार ने 2019–20 तक सभी लोगों तक बिजली पहुंचाने के लक्ष्य बनाया है। इन सभी उद्देश्यों को पूर्ति करने का दारोमदार कोयला क्षेत्र पर ही है।

पृष्ठभूमि में कोयला क्षेत्र से जुड़े विभिन्न पक्षों द्वारा आने वाले समय में आने वाली चुनौतियों से निबटने की रणनीतियों पर विचार करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन ऊर्जा मामलों पर भारत के जाने–माने थिंक टैंक 'इंडिया एनर्जी फोरम (आईईएफ)', 'माइनिंग, जियोलॉजिकल एंड मैटलर्जिकल इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एमजीएमआई)' और 'इंडियन स्कूल ऑफ माइंस' एल्युमनाई एसोसिएशन (आईएसएमएए), दिल्ली चैप्टर' मिलकर कर रहे हैं।

(सीरज कुमार सिंह)
जनसंपर्क अधिकारी